



भारत का गज़ेट The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 1—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 163] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 1974/चैत्र 9, 1896

No. 163] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 1974/CHAITRA 9, 1896

इस भाग में खिल्ली पृष्ठ संलग्न को जास्ती है जिससे एक यह अलग संकलन के तौर पर भी रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF LABOUR

ORDER

New Delhi, the 30th March 1974

S.O. 227(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the services in the State of Tamil Nadu connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works, connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply, connected with the Neyveli Lignite Corporation Limited, Neyveli in the State of Tamil Nadu) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 216(E), dated the 27th March, 1974, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, any strike in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months.

[No. F. S.42025/4/73-IR-I]

N. P. DUBE, Addl. Secy.

श्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1974

का० आ० 227 (अ)।—यतः केन्द्रीय सरकार की राय में समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवायें बनाये रखने के लिये ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

ग्रौर यतः तमिल नाडु राज्य में जनता के लिए विद्युत ऊर्जा के प्रदाय अथवा इस प्रकार के प्रदाय के प्रयोजन के लिये विद्युत ऊर्जा के उत्पादन संचयन या प्रेषण (जिसमें तमिल नाडु राज्य में नेवेली लिग्नाइट क्षयपोरेशन लिमिटेड, नेवेली से संबद्ध, जनता को विद्युत ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिये विद्युत ऊर्जा के उत्पादन संचयन या प्रेषण से संबंधित संकर्म शामिल हैं) से संबद्ध सेवाओं में कोई हड्डताल समुदाय के जीवन के लिये आवश्यक प्रदाय और सेवायें बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव ढालेगी, उक्त सेवाओं से हड्डताल रोकना आवश्यक और समीचीन है;

ग्रौर यतः भ्रष्ट, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संल्या का० आ० 216 (ई) तारीख 27 मार्च, 1974 का आंशिक रूपान्तरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाओं में किसी श्रीचोगिक विवाद से संबंधित किसी हड्डताल को छः मास की अवधि के लिए प्रतिषिद्ध करती है, जो तुरन्त प्रभावी होगा।

[सं० फा० एस-42025/4/73-एल० आ०-1]

नि० प्र० तुष्णे, अफर सचिव ।